Training Programme on
"Cultivation of important High Value temperate medicinal plants"
held at FRS, Brundhar-Jagatsukh, Kullu (H.P.)
on 5th October, 2018: A Report

Himalayan Forest Research Institute, Shimla organized one day training programme on **'CULTIVATION OF IMPORTANT HIGH VALUE TEMPERATE MEDICINAL PLANTS'** for various stakeholders at Field Research Station, Brundhar- Jagatsukh, Kullu (H.P.) on 5th October, 2018. This training programme was organized under National Medicinal Plants Board, New Delhi funded project titled "Evaluation of genetic superiority and stability of identified high active ingredient content accessions of *Picrorhiza kurroa* Royle ex Benth., *Valeriana jatamansi* Jones and *Podophyllum hexandrum* Royle through multi-location trials and promotion of their cultivation amongst rural communities". About 60 no. participants including members of NGOs, Mahila Mandals, Panchayats and progressive farmers of Kullu valley, took active part in the training programme.

At the outset Sh. Jagdish Singh, Scientist-F and course coordinator, briefed about the training programme and highlighted the activities of Himalayan Forest Research Institute. He informed that the Institute has developed the nursery and agro-techniques of important high value temperate medicinal plants. Besides these, also identified the superior genetic stock of *Picrorhiza kurroa* (Karu), *Valeriana jatamansi* (Muskbala) and *Podophyllum hexandrum* (Bankakdi) by screening different geographical locations of Himachal Pradesh, Ladakh valley (J&K) and Uttrakhand. Superior genetic stock of the same has been mass multiplied and is being supplied to farmers for taking up commercial cultivation of these species. He also apprised participants about identification and uses of important high value temperate medicinal plants. After that, **Dr Sandeep Sharma, Scientist-G,** gave presentation on commercial cultivation of important high altitude medicinal plants species; Modern nursery techniques and production of compost and vermi-compost for organic cultivation of medicinal plants. Again **Sh. Jagdish Singh,** deliberated a lecture on Inter-cultivation of temperate medicinal plants with horticulture crops; and identification of superior genetic stock of Karu, Mushkbala and Bankakdi. **Dr Joginder S Chauhan, ACTO,** gave presentation on importance of ethno-botany and ethno-botanical uses of temperate medicinal plants. **Sh. Nand Lal Sharma, CEO Nanda Medicinal Plants Exports,** apprised participant about marketing of medicinal plants.

The participants were taken to the field for identification of important high value temperate medicinal plants and demonstration of macro-proliferation techniques of Karu and mushakbala.

During the closing session the relevant queries of the participants were duly addressed through expert opinion of all the resource persons. On this occasion certificates were distributed to the participants. Training participants found this training programme very useful. The training programme ended with a vote of thanks by course coordinator, Sh. Jagdish Singh.

****

Glimpses of Training Programme

Glimpses of Training Programme

हिमाचल दस्तक 9

धर्मशाला, शनिवार 6 अक्तूबर, 2018

औषधीय पौधों की खेती से बढ़ाएं आय

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले सीईओ नंद लाल शर्मा

हिमाचल दस्तक। मनाली

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला और राष्ट्रीय पादप बोर्ड नई दिल्ली द्वारा वित पोषित परियोजना के तहत महत्वपूर्ण उच्च मूल्य समशीतोषण औषधीय पौधों की खेती पर विभिन्न हितधारकों के लिए शुक्रवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीईओ नंद लाल शर्मा ने बताया कि नंदा मेडिकल पौधे का ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान निर्यात किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती करके सतत आय वृद्धि की जा सकती है। समशीतोषण पौधों की अवैज्ञानिक तरीके से कटाई के कारण कुछ पौधे विलुप्त होने के कगार पर है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औषधीय पौधों के सतत कटान की आवश्यकता है। उन्होंने औषधीय पौधों के विकास में हिवअस के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत में जगदीश सिंह वैज्ञानिक प्रशिक्षण समन्वयक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम व हिवअस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। औषधीय पौधों की व्यापारिक खेती से किसान अपनी आय में बृद्धि के साथ इन पौधों के सरक्षण में भी सहायता कर सकते हैं। डॉक्टर संदीप शर्मा वैज्ञानिक वन वर्धन और वन प्रबंधन प्रभाग प्रमुख ने महत्वपूर्ण औषधीय पौधों करू, निहाणी, चौरा, पतिश इत्यादि पौधों की आधुनिक नर्सरी, तकनीक , मैक्रो प्रोलिफ्रिरेशन तकनीक, मास मल्टीप्लिकेशन, पन पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ऊंचाई पर पाए जाने वाले औषधीय पौधों की वाणिज्यक खेती के बारे में बताया और साथ ही औषधीय पौधों की कार्बिनक खेती व वर्मी खाद निर्माण के बारे में भी बताया। डॉक्टर जोगिंद्र चौहान ने महत्पूर्ण एथनो वाटनी वनस्पति और औषधीय पौधों के एथनो वोटाइनिकल एंव पारंपरिक उपयोग पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि मामूली बीमारियों के उपचार में लोगों को इन औषधीय पौधों का प्रयोग करना चाहिए।

आपका फैसला 9

शिमला, शनिवार, 6 अक्तूबर, 201

औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती से की जा सकती है आय में वृद्धि : सीईओ

मनाली, (रेणुका गोस्वामी)। हिमालयन वन अनुसंधन संस्थान शिमला और और राष्ट्रीय पादप बोर्ड नई दिल्ली द्वारा वित पोषित परियोजना के तहत महत्वपूर्ण उच्च मूल्य समशीतोषण औषधीय पौधों की खेती पर विभिन्न हितधारकों के लिए 5

सही कटाई न होने से कुछ पौधे विलुप्त होने की कगार पर पहुंचे

अक्तूबर 2018 को एक दवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए सीईओ नंद लाल शर्मा ने बताया कि नंदा मेडिकल पौधे का ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान निर्यात किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती करके सतत आय बृद्धि की जा सकती है। समशीतोषण पौधों की अवैज्ञानिक तरीके से कटाई के कारण कुछ पौधे विलुप्त होने की कगार पर है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औषधीय पौधों के सतत कटान की आवश्यकता है। उन्होंने औषधियों पौधों के विकास में हिवअस के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत में जगदीश सिंह वैज्ञानिक प्रशिक्षण समंवयक ने सभी प्रतिभागितयों का स्वागत किया साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम व हिवअस की गतिविधियों के वारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि हिवअस ने समशीतोषण औषधिया पौधों एकोनिटम हिटरोफाईल जिसे पतिश, पिकारोरीईजा जिसे करू, पोडोफिलम हेकसनड्रम जिसे

वनककरी, एंजिलकागलाउका जिसे चौंरा, और वेलेरियाना जटामासी जिसे मुश्कवाला की कृषि तकनीक विकसित की है। क्षेत्र के किसानों के लिए इनका उच्च गुणवता वाला स्टाक तैयार किया गया है। इन औषधिय पौधों की व्यापारिक खेती से किसान अपनी आय में बृद्धि के साथ इन पौधों के सरंक्षण में भी सहायता कर सकते हैं। डॉक्टर संदीप शर्मा वैज्ञानिक वन वर्धन और वन प्रबंधन प्रभाग प्रमुख ने महत्वपूर्ण औषधिया पौधों करू, निहाणी, चौंरा, पतिश इत्यादि पौधों की आधुनिक नर्सरी, तकनीक, मैक्रो प्रोलिफ्रिरेशन तकनीक, मास मल्टीप्लिकेशन, पन अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने उच्च उंचाई पाए जाने वाले औषधिय पौधों की वाणिज्यक खेती के बारे में बताया और साथ ही औषधिय पौधों की कार्बिनक खेती व वर्मी खाद निर्माण के बारे में भी बताया।

दैनिक सवेरा टाइम्स
2 www.dainiksaveratimes.com
शिमला, शनिवार, 6 अक्तूबर 2018
कुल्लू सवेरा

औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती करके सतत आय वृद्धि की जा सकती है : सीईओ

मनाली,(नरेंद्र): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला और राष्ट्रीय पादप बोर्ड नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत महत्वपूर्ण उच्च मूल्य समशीतोषण औषधीय पौधों की खेती पर विभिन्न हितधारकों के लिए 5 अक्तूबर 2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जानकारी देते हुए सीईओ नंद लाल शर्मा ने बताया कि नंदा मैडिकल पौधे का ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान निर्यात किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती करके सतत आय वृद्धि की जा सकती है । समशीतोषण पौधों की अवैज्ञानिक तरीके से कटाई के कारण कुछ पौधे विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औषधीय पौधों के सतत कटान की आवश्यकता है।

पेंटिंग प्रस्तुत करते हुए शानिया खुल्लर ।

औषधि पौधों की खेती के बारे में दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

मनाली (कुल्लू)। उच्च मूल्य समशीतोष्ण औषधि पौधों की खेती पर बुधवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला और राष्ट्रीय पादप बोर्ड नई दिल्ली की ओर से इसका आयोजन किया गया। सीईओ नंदलाल शर्मा ने कहा कि नंदा मेडिकल पौधे का ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान निर्यात किया गया। हिमाचल प्रदेश में औषधि पौधों की व्यवसायिक खेती कर सतत आय में वृद्धि की जा सकती है। समशीतोष्ण पौधों की अवैज्ञानिक तरीके से कटाई के कारण कुछ पौधे विलुप्त होने की कगार पर हैं। औषधि पौधों के सतत कटान की आवश्यकता है।

Amarujala 6th October, 2018